CSIR - Central Road Research Institute
सीएसआईआर–केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान

CSIR CRRI Newsletter

सीएसआईआर–सीआरआरआई समाचार पत्रिका

अंक सं. 45 व 46

अक्टूबर 2014 - मार्च 2015

संपन्न/समाप्त प्रमुख परियोजनाएं/अध्ययन

I. जोडा–बार्बिल, ओडीशा में खनिज परिवहन की व्यवहार्यता हेतु यातायात अध्ययन

औद्योगीकरण एवं खनन गतिविधियों की हालिया वृद्धि के कारण खनन क्षेत्रों में मोटर वाहनों का बढ़ना तथा परिणामस्वरूप गतिशीलता में वृद्धि देखी जा रही है। इन कारणों से खनन क्षेत्रों में वाणिज्यिक वाहनों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय इस्पात नीति में वर्ष 2020 तक 110 मिलियन टन इस्पात का उत्पादन परिकल्पित है। इस लक्ष्य को पूरा करने में ओडीशा के केओनझार जिला स्थित जोडा–बार्बिल का प्रमुख स्थान है (चित्र 1)। जोडा ब्लॉक क्षेत्र केओनझार जिला में आता है और 40 मिलियन टन प्रति वर्ष के खनन उत्पादन के साथ सबसे बड़े खनन क्षेत्रों में गिना जाता है। यह इलाका झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले से लगा हुआ राज्य का समीपवर्ती क्षेत्र है। मालवाहकों और निजी/सरकारी परिवहन के लिए प्रयुक्त वर्तमान सड़क अवसंरचना अपर्याप्त है। निकट भविष्य में स्थिति के और बिगड़ने की संभावना है। सड़क जालतंत्र की वर्तमान दशा को देखते हुए मैसर्स श्रीवेनी कंसल्टेंट्स सर्विसेज ने विद्यमान सड़क की दशा के मूल्यांकन और आधार एवं क्षितिज वर्षों के लिए खनिज परिवहन की व्यवहार्यता के अध्ययन हेतु सीएसआईआर–सीआरआरआई से संपर्क किया ताकि बिना किसी विलंब के सुचारू एवं दक्ष यातायात संचलन सुनिश्चित किया जा सके। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य सड़क जालतंत्र के लिए ट्रक यात्रा मांग माडल का विकास करना है जिसमें ट्रकों द्वारा खानों (स्रोत) से लौह अयस्क का रेलवे साइडिंग, प्रसंस्करण संयंत्रों अथवा पत्तनों (गंतव्य) तक परिवहन किया जाता है। वर्तमान सडक जालतंत्र सुविधाओं के उन्नयन के लिए तथा वर्तमान सड़कों की क्षमता में वृद्धि तथा बाईपास की व्यवस्था जैसे नवीन सड़क जालतंत्र सुविधाओं के प्रस्ताव की दृष्टि से यह उपयोगी सिद्ध होगा।

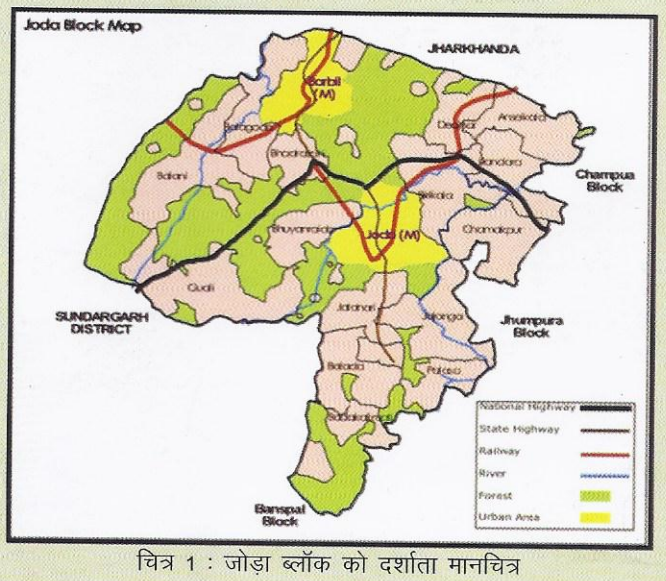

चित्र 1 : जोड़ा ब्लॉक को दर्शाता मानचित्र

अध्ययन क्षेत्र तथा आंकड़ा संग्रहण

अध्ययन के अंतर्गत 18 चौराहों सहित कुल 256 किमी लंबे सड़क जालतंत्र को शामिल किया गया। विद्यमान यातायात समस्याओं को समझने तथा सड़क जालतंत्र पर चौराहों से गुजरने वाले वाहनीय यातायात के संदर्भ में सड़कों की क्षमता के मूल्यांकन हेतु वर्गीकृत घूर्णन संचलन अध्ययन तथा गति एवं विलंब अध्ययन जैसे विभिन्न यातायात सर्वेक्षण संपन्न किए गए (चित्र 2)।

Intersection ID No	Name of the Intersection
1	Badajamda Intersection
2	Banaspani Intersection
3	Bilipda intersection
4	Bhadrasadi Intersection
5	Champua intersection
6	Hatgamharia Intersection
7	Hathi chowk
8	Joda Intersection
9	Jurudi Intersection
10	KJSA Mines
11	Nalda Gate Intersection
12	Nayagarh Intersection
13	Noamundi intersection
14	Palasponga Intersection
15	Parjanpur intersection
16	Rugadih Intersection
17	Rimuli Intersection
18	Shadal (CRPF Camp) Intersection

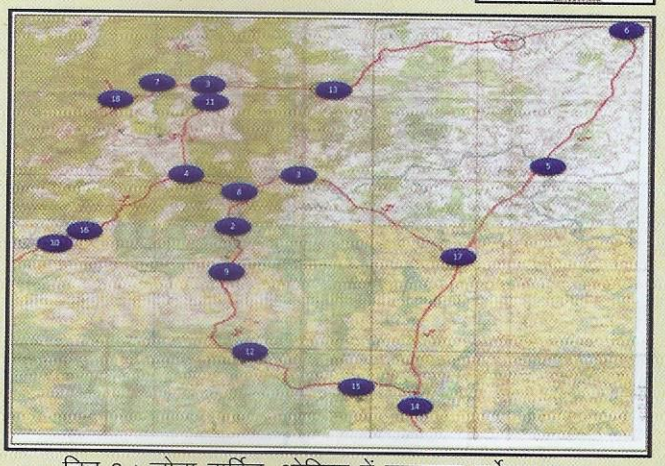

चित्र 2 : जोड़ा बार्बिल, ओडिशा में यातायात सर्वेक्षण स्थल

ट्रक यात्रा मांग माडल का विकास

ट्रक यात्रा मांग माडल एक तकनीकी टूल है जो क्षेत्रीय परिवहन योजना के विकास तथा नीति निर्माण की प्रक्रिया में सहायता करता है। यात्रा मांग माडल में पारंपरिक चार चरण फेरा आधारित माडल/प्रक्रिया अर्थात फेरा जनन, फेरा वितरण, मोड विकल्प तथा यातायात कार्यानुदेशन का उपयोग किया जाता है।

क्षितिज वर्ष हेतु ट्रक मांग का आकलन

उपर्युक्त प्रयोजन के लिए, संगत क्षेत्र में मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) में खानों की प्रस्तावित क्षमता पर विचार किया गया। इस अध्ययन में, ट्रक यातायात के समान ही रेलवे साइडिंग पर विचार किया गया। इन आंकड़ों के आधार पर प्रत्येक क्षेत्र के आकर्षण तथा ट्रक उत्पादन का आकलन किया गया है।

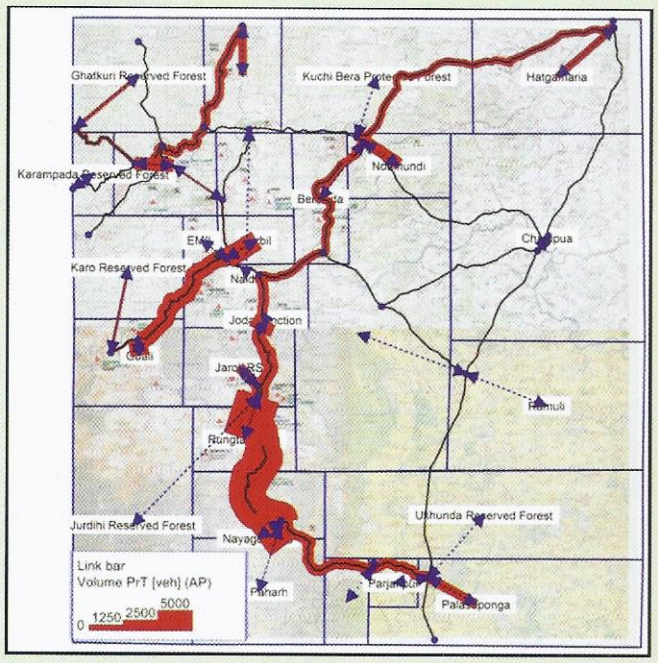

क) आधार वर्ष यातायात कार्यानुदेशन

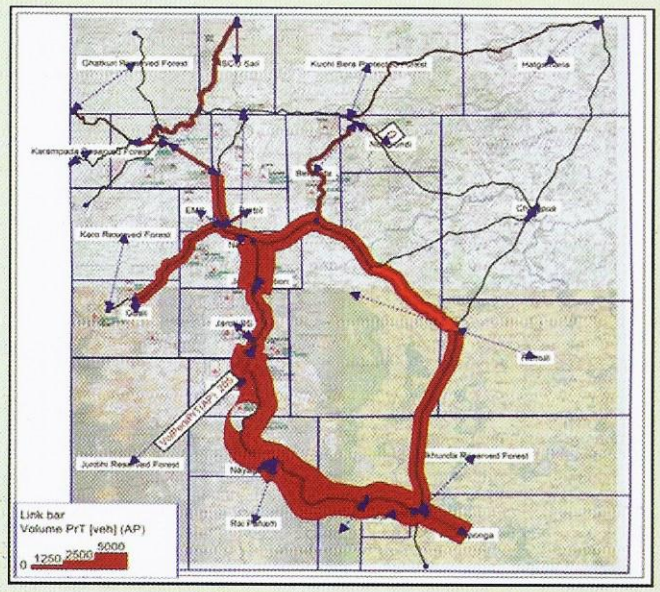

ख) क्षितिज वर्ष यातायात कार्यानुदेशन

चित्र 3 (क व ख) : यूई कार्यानुदेशन विधि के प्रयोग से जोड़ा बार्विल में खान संचलन से उत्पन्न आकलित आधार एवं क्षितिज वर्ष ट्रक यातायात

यूई कार्यानुदेशन विधि द्वारा आकलित क्षितिज वर्ष ट्रक यातायात चित्र 3 में दर्शाया गया है। अध्ययन सड़क जालतंत्र के अंतर्गत विचाराधीन मार्गों के निष्पादन मूल्यांकन में ट्रक परिमाण पर अधिक विचार किया गया है।

आधार वर्ष के लिए ट्रक यातायात कार्यानुदेशन से यह पाया गया कि रा.म. 215 (केजेएसए खान एवं भद्रसाही) तथा जुरूड़ी एवं नयागढ़ के बीच किडको मार्ग पर अधिक संख्या में ट्रकों का सांद्रण था। मैसर्स थ्रीवेनी कंसलटेंट्स द्वारा उपलब्ध कराई गई खानों की भावी क्षमता पर विचार करके क्षितिज वर्ष ट्रक मांग का आकलन किया गया। क्षितिज वर्ष ट्रक मांग कार्यानुदेशन से यह पाया गया कि जोड़ा बार्बिल में सड़क जालतंत्र की क्षमता में सुधार करने की आवश्यकता है।

अध्ययन सड़क जालतंत्र के निष्पादन में सुधार हेतु व्यवस्था

खानों की प्रस्तावित क्षमता से उत्पन्न प्रेक्षित यातायात को देखते हुए, अतिरिक्त सड़क अभिगम्यता देने के साथ–साथ प्रमुख सड़क मार्गों को चौड़ा करने की संस्तुति की जाती है (चित्र 4)।

अध्ययन की संस्तुतियां निम्नलिखित हैं :

- रा0म0 215 का चौड़ीकरण : दो लेन से चार लेन विभक्त वाहनपथ तक रा0म0 215 का चौड़ीकरण
- जोड़ा से नयागढ़ तक सड़क का चौड़ीकरण
- नयागढ़ से कालीमाटी तक बाईपास सड़क : विद्यमान किड़को मार्ग पर यातायात कम करने हेतु बाईपास सड़क से नयागढ़ तक एक नए बाइपास (न्यूनतम 2 लेन मार्ग) की संस्तुति है।
- रा0म0 215 के समीप रेलवे साइडिंग की व्यवस्था

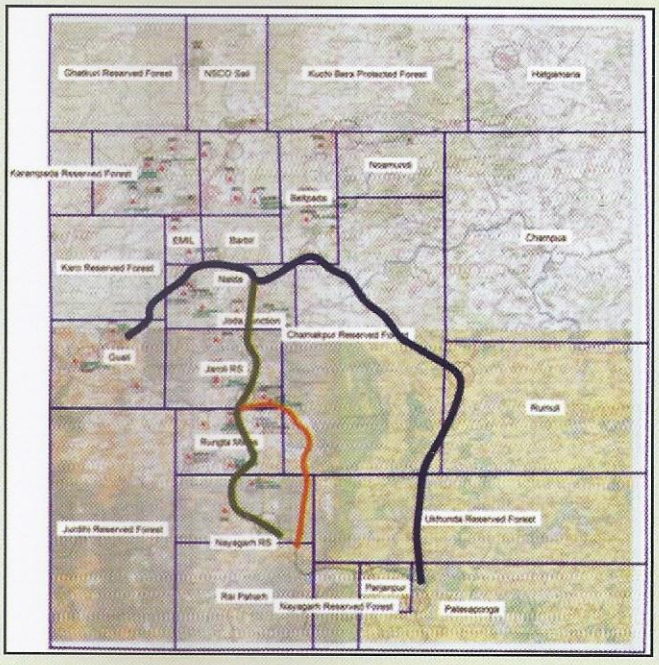

चित्र 4 : अध्ययन सड़क जालतंत्र पर प्रमुख सड़क मार्गों के चौड़ीकरण हेतु संस्तुतियों की आरेखात्मक प्रस्तुति

II. आइजोल–लुंगलेई मार्ग (रा.म. 54), मिजोरम पर भूस्खलनों के संभावित कारण तथा उपचारात्मक उपाय

रक्षा एवं व्यापार प्रयोजनों के लिए हिमालयी सड़कें अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये सड़कें हमारे पड़ोसी देशों के सुदूर एवं सीमावर्ती क्षेत्रों तक जाती हैं। पहाड़ी सड़कों एवं विशेषतः हिमालय क्षेत्र में सड़कों को बार–बार क्षतिग्रस्त करने तथा बारंबार घटित होने वाले भूस्खलन व्यापक जोखिम माने जाते हैं। वर्षा की तीव्रता के साथ–साथ भूवैज्ञानिक संरचनाओं, ढाल प्रवणता एवं मानवीय गतिविधियों आदि के साथ इनका गहरा सहसंबंध है। दक्षिण मिजोरम को देश के अन्य हिस्सों तथा सीमावर्ती क्षेत्रों से जोड़ने वाला रा.म. 54 आइजोल–लुंगलेई मार्ग एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय महामार्ग है। ढाल प्रवणता की समस्या के कारण चेनेज 173.5 किमी. पर इस महामार्ग का कुछ हिस्सा (लगभग 100 मी. लंबा) क्षतिग्रस्त हो गया। ढाल विफलता सड़क को क्षति पहुंचाती है। आइजोल–लुंगलेई मार्ग (रा.म. 54) के निर्माण एवं रखरखाव के लिए उत्तरदायी सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने सीएसआईआर–सीआरआरआई को समस्या से अवगत कराया। विस्तृत स्थल अन्वेषण, प्रयोगशाला अध्ययन एवं आंकड़ा विश्लेषण के पश्चात यह पाया गया कि ढाल विफलता के प्राकृतिक एवं मानवनिर्मित कारण थे। समस्याग्रस्त ढालों पर सुरक्षाकारक (एफओएस) यूनिटी से कम अथवा इसके अत्यंत समीप था। एफओएस में वृद्धि हेतु विस्तृत उपयुक्त उपचारी उपाय डिजाइन किए गए ताकि रा.म. 54 पर सुरक्षित एवं सुचारू यातायात प्रवाह हेतु क्षतिग्रस्त ढालों के अपेक्षित स्तर तक इसे लाया जा सके। चित्र 1 से 4 तक भूस्खलनों के स्थान, समस्याओं की विशेषता एवं संस्तुत उपचारी उपाय दर्शाए गए हैं।

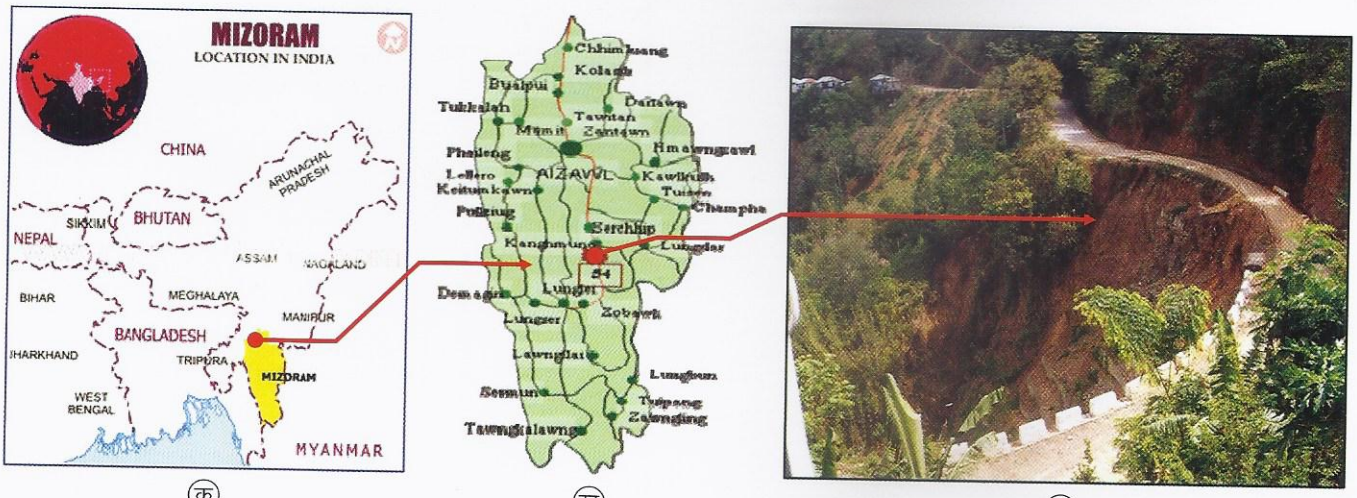

(क) (ख) (ग)

चित्र 1 : स्थल मानचित्र, क–मिजोरम की स्थिति; ख–न्हथियाल की स्थिति; ग–समस्याग्रस्त क्षेत्र

चित्र 2 : भूरे शेल में फोल्ड्स

चित्र 3 : कार्बनयुक्त शेल में लंबकोणीय संधि

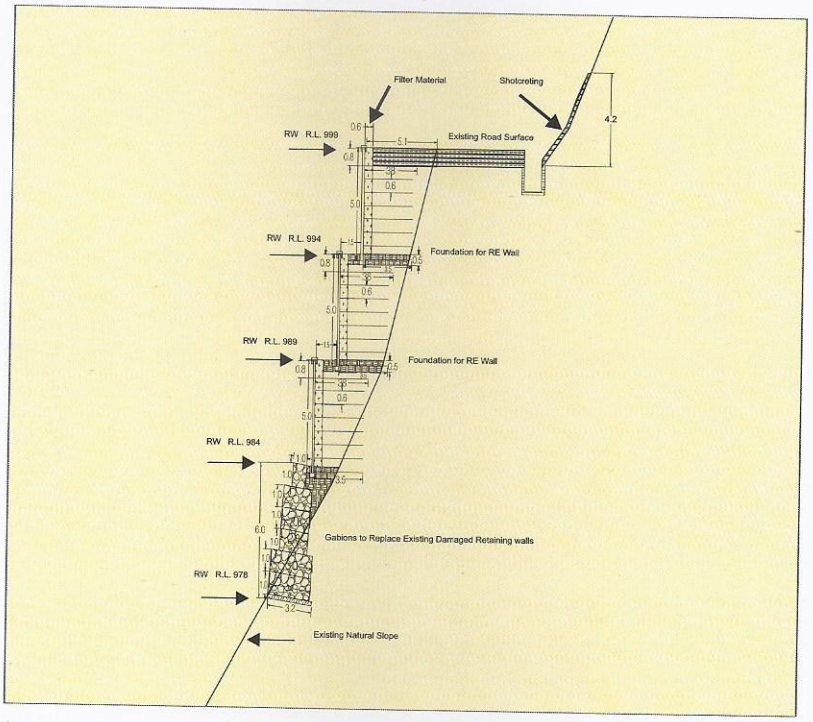

चित्र 4 : विद्यमान सड़क के चौड़ीकरण तथा ढलान के मध्य भाग की सुरक्षा हेतु उपचारी उपाय

III. सड़क प्रबंधन प्रणाली के समेकन हेतु विषय आधारित जीआईएस आंकड़ा आधार के विकास हेतु परामर्श सेवाएं

बिहार सरकार राज्य महामार्गों एवं प्रमुख जिला सड़कों के उन्नयन के द्वारा सड़क विकास के लिए अनेक पहल कर रही है। डीएफआइडी टीएफ टीए (टीए–011445) तकनीकी सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व बैंक की सहायता से सड़क निर्माण विभाग (आरसीडी) ने संस्थानिक सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता गतिविधियों के लिए बिहार में सड़क दशा सर्वेक्षण तथा सड़क निर्माण उद्योग का मूल्यांकन किया। इस प्रकार बिहार में सड़क जालतंत्र के विकास हेतु एक वृहद सड़क आंकड़ा आधार तैयार किया जा रहा है (जो अब पूरा होने वाला है)। सड़कों के निर्माण, रखरखाव तथा प्रचालन हेतु क्षेत्रीय एवं स्थानीय स्तर पर योजना एवं मूल्यांकन के उद्देश्यों से किसी एक विषय या मुद्दे यथा सड़क लंबाई, सड़क दशा, सड़क सूची, यातायात सूची आदि पर जानकारी संप्रेषित करने के लिए इंजीनियरों को प्रबुद्ध विषय आधारित मानचित्र की आवश्यकता हमेशा रहती है।

इन चुनौतियों का सामना करने के लिए सड़क प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस) के साथ आंकड़ों के समेकन हेतु विषय आधारित जीआइएस आंकड़ा आधार की सहायता से संपूर्ण आंकड़ा आधार के भंडारण तथा इसको सहेजने की तात्कालिक आवश्यकता महसूस की गई। यह प्रणाली राज्य में सड़क परिसंपत्ति के सुधार व प्रबंधन हेतु योजना/कार्यक्रम के सूत्रीकरण को करने में इंजीनियरों के लिए प्रमुख टूल सिद्ध होगी। इस जीआइएस आंकड़ा आधार को सड़क परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस) के साथ समेकित किया जाएगा।

कार्य का उद्देश्य एवं कार्यक्षेत्र

निविदा समझौते के अनुसार अध्ययन के उद्देश्य एवं कार्यक्षेत्र निम्नलिखित हैं :

क) संपूर्ण बिहार के लिए cartosatimages.ain जीआईएस के साथ अविरल तुलना सुनिश्चित करते हुए कार्टोसेट–1 छवि का अविरल मोजाइक तैयार करना।

ख) संपूर्ण बिहार के लिए ग्यारह (11) विषय आधारित जीआईएस स्तरों का मोजाइक तैयार करना तथा संपूर्ण अविरलता के लिए अपेक्षित संशोधन/अपडेट संपन्न करना।

उपर्युक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विश्व बैंक दिशानिर्देशों के अनुसार योग्यता आधारित चयन (क्यूबीएस) विधि के माध्यम से ग्यारह बहुराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय फर्मों/कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्द्धा के पश्चात संयुक्त उपक्रम की यह परियोजना मैट्रिक्स जियो साल्यूशन प्रा.लि. के साथ सीएसआईआर–सीआरआरआई को सौंपी गई।

वर्तमान में संयुक्त उपक्रम ने पूरे बिहार राज्य के लिए 161 टोपो शीट का पूरा भूसंदर्भन पूरा किया है तथा आंकड़ा समेकन की गुणवत्ता जांच तथा स्तरों की तैयारी का कार्य प्रगति पर है। चित्र 1 में टोपो शीट के अनुसार जाल सृजन दर्शाया है।

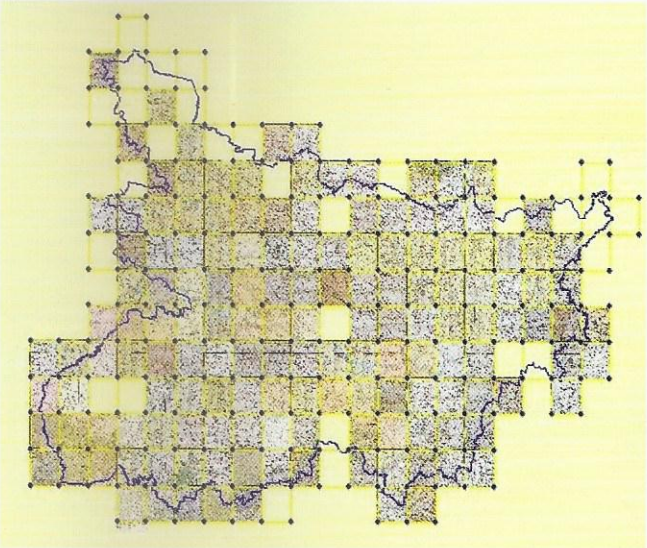

चित्र 1 : पूरे बिहार के लिए भू–संदर्भित टोपोशीट

चित्र 2 में आरसीडी के सड़क प्रबंधन प्रणाली के समेकन हेतु विषय आधारित जीआइएस आंकड़ा आधार दर्शाया है। आरसीडी से सड़क वस्तुसूची एवं दशा आंकड़ा तथा सेतु वस्तु सूची एवं दशा आंकड़े एकत्र किए गए हैं। एनआरएसए से प्राप्त उपग्रह छवियों तथा सर्वे आफ इंडिया टोपोशीट की सहायता से ग्राम आंकड़े, ब्लॉक सीमा, जिला सीमाएं, राज्य सीमाएं, जल आगार, बस्ती क्षेत्र, वन क्षेत्र आदि तैयार किए गए हैं। संपूर्ण आंकड़ा आधार जीआईएस प्लेटफार्म में है तथा ओपन सोर्स क्यूजीआईएस साफ्टवेयर से इसे तैयार किया जा रहा है। आरसीडी तथा एनआरएसए, इन दोनों के आंकड़ों को ऐसे समेकित किया गया है कि परिसंपत्ति प्रबंधन, मानचित्रण, डिजाइन, विकास, योजना व मूल्यांकन आदि विविध प्रयोजनों के लिए इनका प्रयोग किया जा सके।

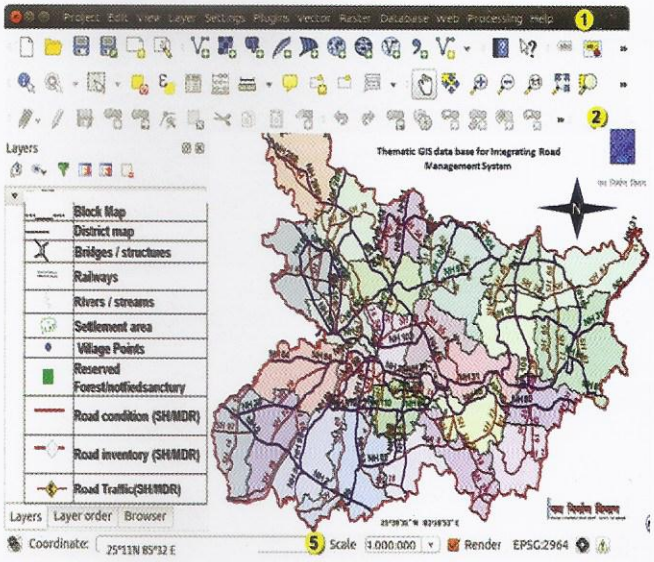

चित्र 2 : बिहार राज्य के सड़क प्रबंधन प्रणाली के समेकन हेतु प्रारूपिक विषय आधारित जीआईएस आंकड़ा आधार

स्वच्छ भारत अभियान

भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया है जिसका आरंभ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्तूबर 2014 को किया। स्वच्छ भारत अभियान का मुख्य उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता, स्वच्छता, सफाई एवं खुले में शौच की प्रथा पर रोक लगाकर सामान्य जनता के स्वास्थ्य में सुधार लाना है। स्वच्छ भारत अभियान के लिए 2 अक्तूबर 2014 को संस्थान को स्टाफ सदस्यों के लिए खुला रखा गया।

स्वच्छ भारत अभियान संबंधी उपयुक्त नारों के साथ बैनर प्रदर्शित किए गए तथा स्टाफ सदस्यों द्वारा स्वच्छता संबंधी शपथ ली गई। संस्थान के गलियारों/गैलरी आदि सहित कार्यालयों/कक्षों/प्रयोगशालाओं की स्वच्छता के लिए सभी स्टाफ सदस्यों सहित निदेशक, सीएसआईआर–सीआरआरआई एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों तथा अनुसंधान व विकास प्रभागों के वैज्ञानिकों द्वारा विशेष प्रयास किया गया।

हरित सड़कों के विकास पर कार्यशाला

सीआरआरआई एवं मार्थ के सहयोग से इंटरनेशनल रोड फेडरेशन (भारत चौप्टर) ने सीएसआईआर–सीआरआरआई में 15 अक्टूबर 2015 को 'डेवलपमेंट आफ ग्रीनर रोड्स' पर

कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री एस एन दास, महानिदेशक, मार्थ ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। परामर्शदाताओं, ठेकेदारों, वैज्ञानिकों सहित लगभग सत्तर प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सीएसआईआर–सीआरआरआई में 27 अक्टूबर से 01 नवंबर 2015 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। डॉ पी के जैन, कार्यवाहक निदेशक द्वारा स्टाफ सदस्यों को राष्ट्रीय अखंडता बनाए रखने तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पारदर्शिता के लिए प्रयासों को जारी रखने की शपथ दिलाई गई। संस्थान के परिसर में बैनर व पोस्टर दर्शाए गए। इस अवसर पर श्री अनिल कुमार पाराशर, ज्वाइंट रजिस्ट्रार (विधि) एनएचआरसी ने

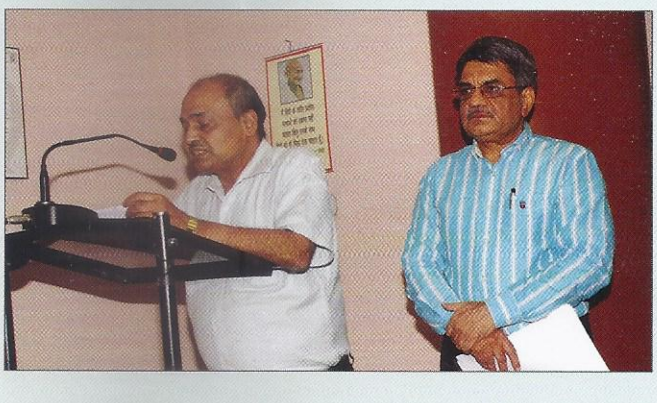

''भ्रष्टाचार : मानव अधिकारों का हनन'' विषय पर व्याख्यान दिया। सप्ताह के दौरान स्टाफ सदस्यों के लिए 'आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग से भ्रष्टाचार का शमन' पर वाद विवाद प्रतियोगिता, 'बालश्रम' पर स्लोगन प्रतियोगिता तथा 'मानव जीवन में विज्ञान की प्रासंगिकता एवं महत्व–भारतीय परिदृश्य' पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

सड़क सुरक्षा सप्ताह

लोगों के मध्य सड़क सुरक्षा के नियमों की महत्ता बताने के लिए सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। इसके अंतर्गत प्रत्येक वर्ष हजारों की संख्या में मरने वाले लोगों के जीवन को बचाने के लिए सामान्य उपायों की जागरूकता फैलाई गई क्योंकि चिकित्सा की आपातकालीन स्थिति में जिन प्राथमिक विधियों एवं तकनीक की अत्यधिक आवश्यकता होती है, सामान्य लोगों को इन सबकी कोई जानकारी नहीं होती। सीएसआईआर–सीआरआरआई में 11–17 जनवरी 2015 तक सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। जनवरी 13, 2015 को डॉ अमित गुप्ता, सर्जन, एम्स ट्रामा सेंटर ने ''इमरजेंसी रिस्पोंस : हैंडलिंग एंड ट्रांसफर आफ रोड क्रेश विक्टिम्स एट द इंस्टीट्यूट'' विषय पर व्याख्यान दिया जिसमें स्टाफ सदस्यों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

सिक्किम में सड़क सुरक्षा के पक्षों पर कार्यशाला

सीएसआईआर–सीआरआरआई तथा मोटर वाहन प्रभाग, परिवहन विभाग, सिक्किम सरकार के द्वारा संयुक्त रूप से 'सिक्किम में सड़क सुरक्षा के पक्षों' पर 08 दिसंबर 2014 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री टी.डी. लैप्टिया, माननीय मंत्री, परिवहन विभाग, सिक्किम सरकार इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। श्री टी.टी. शेरपा, विशेष सचिव, परिवहन विभाग ने उद्घाटन व्याख्यान दिया। श्री ए.के. श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव, सिक्किम सरकार तथा कर्नल रमन कक्कड़, निदेशक (डब्लयू) जीआरईएफ ने प्रतिभागियों को संबोधित किया तथा सड़क सुरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण पक्षों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के आरंभ में श्री टी.के. आमला, प्रमुख, सूचना संपर्क एवं प्रशिक्षण ने प्रशिक्षण कार्यशाला के संबंध में जानकारी दी। कार्यशाला में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें राज्य सड़क सुरक्षा परिषद एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य सम्मिलित थे। कार्यशाला के अंतर्गत दो तकनीकी सत्र रखे गए

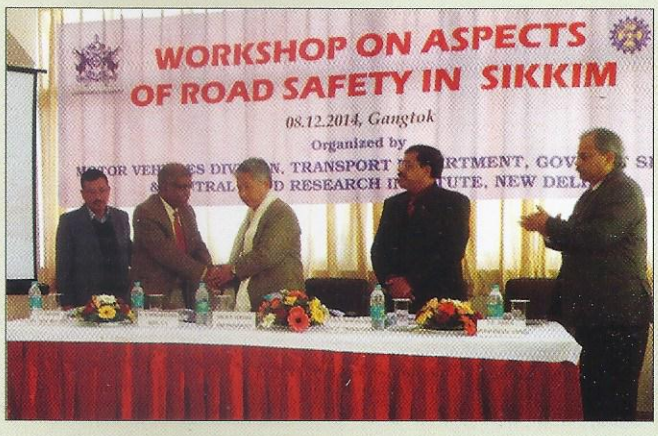

जिसमें सीएसआईआर–सीआरआरआई के वैज्ञानिकों, एम्स नई दिल्ली, परिवहन विभाग तथा यातायात पुलिस, गंगटोक के सदस्यों ने तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिए।

सीआरआरआई द्वारा नए वर्ष का स्वागत

सीएसआईआर–सीआरआरआई में नए वर्ष के अवसर पर अर्थात 01 जनवरी 2015 को एक परस्पर मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीआरआरआई के निदेशक डॉ. एस. गंगोपाध्याय ने स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया तथा पिछले वर्ष 2014 की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। डॉ. एस. गंगोपाध्याय ने सीआरआरआई के वैज्ञानिकों एवं विशेष रूप से युवा वैज्ञानिको का आहवान किया कि आगामी वर्ष के दौरान विकास कार्यों पर वे अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने सभी सदस्यों और उनके परिवार के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की।

आस्ट्रेड के साथ भारत में सड़क सुरक्षा मुद्दे व चुनौतियां विषय पर विचार विमर्श सत्र

भारत के अग्रणी अनुसंधान संगठनों को आस्ट्रेलिया की सड़क सुरक्षा संबंधी विशेषज्ञता दर्शाने और उसका प्रचार करने के लिए 25 एबीडब्ल्यूआई परिवहन सड़क सुरक्षा प्रतिनिधियों से युक्त आस्ट्रेलियाई प्रतिनिधि मंडल ने 13 जनवरी 2015 को सीआरआरआई का दौरा किया। प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए डॉ. एस गंगोपाध्याय, निदेशक ने सीआरआरआई की गतिविधियों एवं उपलब्धियों आदि पर प्रस्तुतीकरण दिए। डॉ. ग्रेसन पैरी, ट्रेड कमिशनर, आस्ट्रेड के संचालन में आयोजित विचार विमर्श सत्र के दौरान आस्ट्रेलियाई प्रतिनिधियों को अपनी क्षमताओं को प्रस्तुत करने, भावी सहयोग के लिए संभावित अवसरों के क्षेत्र तथा संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने का अवसर मिला शंका–समाधान के एक सत्र का भी आयोजन किया गया। डॉ. पैरी द्वारा सत्र के समापन के पश्चात् सीएसआईआर–सीआरआरआई की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा रखा गया। इस अवसर पर संस्थान के क्षेत्र सलाहकार,

प्रभागीय प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित थे। इसके पूर्व व्यापार एवं निवेश के आस्ट्रेलियाई मंत्री, श्री एंड्रो रॉब एओ एमपी द्वारा भारत में आस्ट्रेलियाई व्यापार सप्ताह (एबीडब्ल्यूआई) का शुभारंभ करने के लिए दिल्ली में स्वागत समारोह रखा गया।

सांप्रदायिक सद्भावना अभियान तथा निधि संग्रहण सप्ताह

दिनांक 19–25 नवंबर 2014 के दौरान सांप्रदायिक सद्भावना अभियान तथा निधि संग्रहण सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें 24 नवंबर 2014 को झंडा दिवस मनाया गया। सप्ताह के दौरान 19 नवंबर 2014 को स्टाफ सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ ली गई एवं स्टाफ सदस्यों से निधि संग्रहण के दौरान सदस्यों ने उदारतापूर्वक दान दिया।

उत्तर पूर्व राज्यों के एसटीए के लिए ग्रामीण सड़कों में नवीन सामग्री/प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला

सीएसआईआर–सीआरआरआई तथा असम रोड रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, लोक निर्माण विभाग, असम सरकार द्वारा 2–3 दिसंबर 2014 को गुवाहाटी, असम में उत्तर पूर्व राज्यों के राज्य तकनीकी एजेंसियों (एसटीए) के लिए ग्रामीण सड़कों में नवीन सामग्रियों/प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी (एनआरआरडीए) द्वारा इस कार्यक्रम को प्रायोजित किया गया। उत्तर पूर्व राज्यों में पीएमजीएसवाई परियोजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित एसटीए संकाय एवं अभियंताओं के करीब 30 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। विशेष सचिव, असम सरकार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सीआरआरआई के अनेक वैज्ञानिकों ने ऐसे प्रस्तुतीकरण दिए जिनमें पीएमजीएसवाई निर्माण हेतु अंगीकरण–योग्य नवीन सामग्रियों एवं नवीन प्रौद्योगिकियों की जानकारी दी गई।

दिल्ली लोक निर्माण विभाग सड़कों (रिंग रोड एवं बाहरी रिंग रोड) की सूची एवं दशा पर आंकड़ा आधार प्रबंधन प्रणाली के विकास पर प्रशिक्षण व कार्यशाला

लोक निर्माण विभाग, दिल्ली सरकार ने रिंग रोड एवं बाहरी रिंग रोड सहित लगभग 100 किमी. लंबी सड़कों के लिए सड़कों की सूची एवं दशा पर आंकड़ा आधार प्रबंधन प्रणाली के विकास के उद्देश्य से सीएसआईआर–सीआरआरआई में यह अध्ययन आरंभ किया। अध्ययन का उद्देश्य सड़कों की दशा का मूल्यांकन करना एवं तत्पश्चायत रिंग रोड एवं बाहरी रिंग रोड के लिए कुट्टिम दशा तथा सड़क सूची पर आंकड़ा आधार प्रबंधन प्रणाली का विकास करना था ताकि उपयोज्यता का इष्टतम स्तर बनाए रखा जा सके। इस अध्ययन के एक भाग के रूप में 13.01.2015 को प्रशिक्षण व कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली लोक निर्माण विभाग के 50 अभियंताओं ने भाग लिया।

कौशल विकास पर प्रशिक्षण कार्यशाला

स्टाफ सदस्यों की विशेषज्ञता के क्षेत्र में उनकी क्षमता एवं व्यावसायिक कौशल के उन्नयन की दृष्टि से संस्थान में विशेषीकृत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। मैसर्स हीरो माइंड माइन लिमिटेड गुड़गांव द्वारा एसएंडटी स्टाफ के साथ–साथ क्रय, वित्त आदि के सहायकों के लिए क्रमशः दिनांक

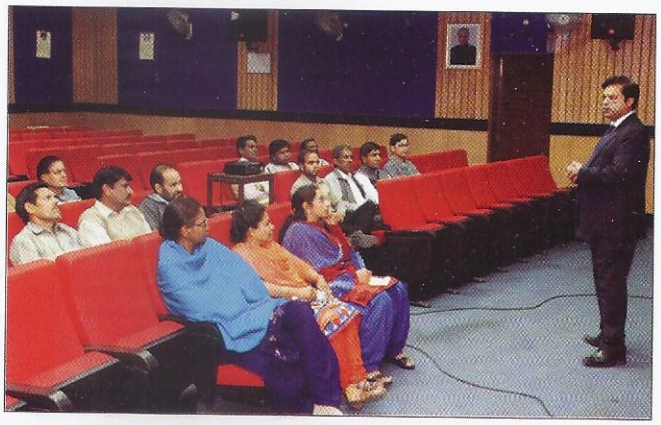

13 मार्च एवं 20 मार्च 2015 को 'चेंज मैनेजमेंट' तथा 'टीम बिल्डिंग' पर दो प्रशिक्षण सत्रों/कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

नोबल पुरस्कार विजेता सर सी. वी. रमन द्वारा की गई महान खोज "रमन इफेक्ट" की स्मृति मनाने के लिए 2 मार्च, 2015 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। सीएसआईआर–सीबीआरआई, रूड़की के निदेशक प्रोफेसर एस.के. भट्टाचार्य समारोह के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने स्मार्ट शहर के विभिन्न

संकेतकों का उल्लेख किया। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए उन्होंने वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बल दिया। सीएसआईआर–सीआरआरआई के निदेशक डॉ. एस. गंगोपाध्याय ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। श्री टी के आमला ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा बहुमूल्य समय देने के लिए मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण आयोजन

सीएसआईआर–सीआरआरआई में दिनांक 05.12.2014 को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर निम्नलिखित दो प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण संबंधी लाइसेंस समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए :

(1) पैच फिल – सड़क के गडढों के तुरंत, सुरक्षित एवं मितव्ययी मरम्मत की मशीन, (2) सेतु केयर – सेतुओं के छिपे हुए भाग अथवा समान संरचनाओं तक पहुंच बनाने वाला ट्रक पर रखा हुआ यह एक ऐसा विद्युत–यांत्रिक यंत्र है जो उपयुक्त जांच की सुविधा देता है। इन प्रौद्योगिकियों पर संस्थान के वैज्ञानिकों, शिक्षा स्वरूपा कर तथा डॉ आर के गर्ग द्वारा प्रस्तुततीकरण दिए गए। इस अवसर पर निम्नलिखित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे–

- डॉ पी एस आहुजा, महानिदेशक, सीएसआईआर
- प्रो. डी वी सिंह, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर– सीआरआरआई
- श्री डी एन त्रिखा, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर–एसईआरसी
- डॉ आई के पटेरिया, पूर्व निदेशक (तकनीकी), एनआरआरडीए

आगंतुक

- श्री बॉब क्लुत्ज (वरिष्ठ वैज्ञानिक, इनोवेशन सेंटर हुस्टन) द्वारा 09.10.2013 को 'हाइली माडिफाइड एस्फाल्ट (एचआइएमए) फार डिजाइनिंग रिड्यूस्ड पेवमेंट थिकनैस' पर तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया गया।
- वैक्ट्रा जर्मनी द्वारा 17.12.2014 को 'मोबाइल लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग (एलआइडीएआर)', सड़क जालतंत्र एवं यातायात परिदृश्य में सुधार हेतु अधुनातन प्रौद्योगिकी पर आधारित तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया गया।
- श्री चंद्र आर भट, यूनिवर्सिटी आफ टैक्सास, आस्टिन द्वारा 23.01.2015 को 'न्यू हाइ डायमेंशन डाटा एनालिसिसि टैक्नीक्स फार अर्बन प्लैनिंग' पर तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया गया।

- श्री ब्रेड यसल्डिक, एप्लैनिक्स, कनाडा तथा श्री जेन्सत मोरावित्जि (वैक्ट्रा जर्मनी) द्वारा 16.02.2015 को 'एप्लैनिक्स सिस्टम' पर तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिया गया।

- यूनिवर्सिटी आफ टोक्यो तथा होकाइडू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों की सदस्यता वाला जापान का प्रतिनिधिमंडल 25 फरवरी 2015 को संस्थान के दौरे पर आया तथा सीएसआईआर–सीआरआरआइ के साथ संयुक्त सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए सीआरआरआई के आरएंडडी प्रभागीय प्रमुखों के साथ विचार विमर्श किया।

- एचई अब्दुल हादी राफे, प्रशासन एवं वित्त के उपमंत्री के नेतृत्व में एक उच्च अधिकार प्राप्त अफगान प्रतिनिधिमंडल 03 मार्च 2015 को संस्थान के दौरे पर आया तथा सीएसआईआर–सीआरआरआई के साथ संयुक्त सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए सीआरआरआई के आरएंडडी प्रभागीय प्रमुखों के साथ विचार विमर्श किया।

प्रदर्शनी

संस्थान ने निम्नलिखित प्रदर्शनियों में भाग लिया तथा अपनी विशेषज्ञताओं, क्षमताओं तथा अनुसंधान व विकास उपलब्धियों को दर्शाया।

- आइजीसी परिसंवाद – 2014, भारत के विकास हेतु समावेशी जियोटैक्नीक (जियोइंड) काकीनाड़ा, 18–20 दिसंबर, 2014
- ट्रैफिक इंफ्राटैक एक्सपो – वर्चुअल इंफोसिस्टम प्रा. लि. द्वारा आयोजित, 7–9 जनवरी 2015
- भारतीय सड़क कांग्रेस का वार्षिक सत्र, भुवनेश्वर 18–22 जनवरी, 2015।

भारतीय सड़क कांग्रेस के 75वें वार्षिक सत्र में संस्थान की प्रतिभागिता

सीएसआईआर–सीआरआरआई ने 18–22 जनवरी 2014 के दौरान भुवनेश्वर में आयोजित भारतीय सड़क कांग्रेस के 75वें वार्षिक सत्र में भाग लिया। संस्थान के 35 वैज्ञानिक सत्र में उपस्थित रहे। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों/संबंधित प्रभागीय प्रमुखों ने वर्ष 2013–14 के दौरान भारत में संपन्न सड़क अनुसंधान कार्य की सामान्य प्रतिवेदन के सैक्शनल रिपोर्ट को प्रस्तुत किया।

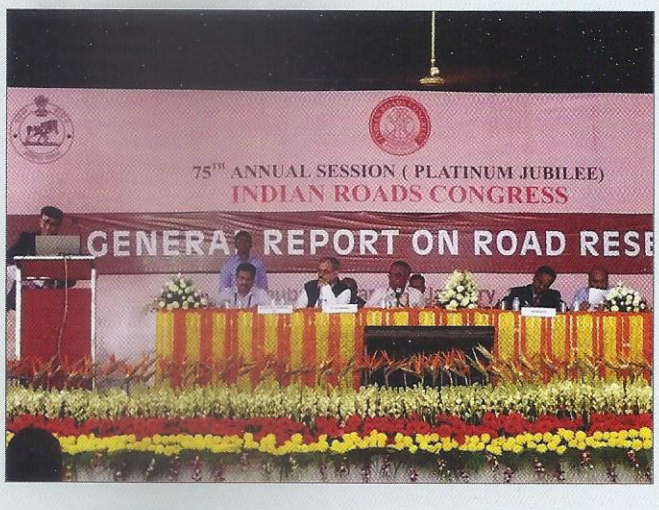

सत्र के दौरान संस्थान ने हाइवे इंजीनियरी, सेतु इंजीनियरी, यातायात इंजीनियरी एवं परिवहन योजना, सड़क सुरक्षा एवं पर्यावरण को केंद्र में रखते हुए तकनीकी प्रदर्शनी आयोजित किया जिसमें चार्ट एवं मॉडल दर्शाए गए। प्रदर्शनी में सीएसआईआर–सीआरआरआई ने अपनी विशेषज्ञताओं, क्षमताओं तथा विकसित प्रौद्योगिकियों को दर्शाया।

बैठक

एएफसीएपी/एएससीएपी बैठक

प्रीटोरिया, दक्षिण अफ्रीका में 25–26 फरवरी 2015 के दौरान अफ्रीकन कम्युनिटी एसएस प्रोजेक्ट एएफसीएपी द्वारा एशिया तथा उपसहारा अफ्रीका के देशों के सड़क अनुसंधान प्रबंधकों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य निम्न परिमाण सड़कों तथा ग्रामीण परिवहन सेवाओं पर केंद्रित सीआरआरआई जैसे अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र तथा उपसहारा अफ्रीका के राष्ट्रीय सड़क अनुसंधान केंद्र के बीच संपर्क को और सुदृढ़ करना था। बैठक में प्रेक्षक के रूप में श्री टी के आमला, प्रमुख, सूचना संपर्क एवं प्रशिक्षण सम्मिलित हुए। उन्होंने सीआरआरआई के परिचय से संबंधित एक प्रस्तुतीकरण भी दिया।

अनुसंधान परिषद बैठक

डॉ एम आर माधव, प्रोफेसर अमेरिटस, जेएनटीयू, हैदराबाद की अध्यक्षता में दिनांक 09.10.2014 तथा 26–27 मार्च, 2015 को सीएसआईआर–सीआरआरआई अनुसंधान परिषद की क्रमशः 116वीं एवं 117वीं बैठक आयोजित की गई।

अनुसंधान परिषद बैठक में सदस्यों के अतिरिक्त क्षेत्र सलाहकारों, प्रभागीय प्रमुखों एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने भाग लिया। वैज्ञानिकों द्वारा 12वीं पंचवर्षीय योजनाओं, प्रायोजित अनुसंधान व विकास परियोजनाओं तथा आंतरिक अनुसंधान व विकास परियोजनाओं से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिए गए। परिषद सदस्यों ने पीजीआरपीई छात्रों से भेंट की तथा संस्थान के वैज्ञानिकों से विचार विमर्श किया।

संपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम/पाठ्यक्रम

इस अवधि में संस्थान ने सेवारत एवं कार्यरत इंजीनियरों के लिए निम्निलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया –

क्रमांक	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि
क.	**नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम/पाठ्यक्रम**	
1	ब्रिज डिजाइन एंड कंस्ट्रक्शन	13–17 अक्टूबर 2014
2	एन्वायरमैंटल इंपैक्टर एस्समैंट एंड एन्वायरमेंटल क्लियरेंस प्रोसेस फार रोड एंड हाइवे प्रोजैक्ट्स	10–13 नवंबर 2014
3	पेवमेंट इवेल्यूशन टैक्नीक्स एंड एप्लीकेशन्स फार मेंटेनेंस एंड रिहेब्लिटेशन	24–28 नवंबर 2014
4	जियो स्पेशियल टैक्नोलाजी (जीआइएस, जीइएस, आरएस आदि) फार रोड्स एंड ट्रांसपोर्टेशन	05–08 जनवरी 2015

ख.	**तदनुकूल/विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम/पाठ्यक्रम**	
1	एनआरआरडीए नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित पीएमजीएसवाई से संबद्ध स्थल अभियंताओं के लिए 'प्रोजेक्ट प्रिपेशन, एसबीडी, क्वालिटी एश्योरेंस एंड मेंटेनेंस आफ रूरल रोड्स', सीएसआईआर–सीआरआरआई, नई दिल्ली (5वां बैच)	27–31 अक्टूबर, 2014
2	एनएचएआई कंसेशनायर, स्वतंत्र अभियंताओं एवं एईसीओएम के अधिकारियों के लिए 'रोड सेफ्टी ऑडिट', सीएसआईआर–सीआरआरआई, नई दिल्ली	22–26 दिसंबर, 2014
3	यूपीपीडब्लयूडी के अभियंताओं के लिए 'रोड सेफ्टी आस्पैक्ट एंड आडिट', लखनऊ	2–7 जनवरी, 2015
4	आरईडी, यूपी के स्थल अभियंताओं के लिए 'डिजाइन कंस्ट्रक्शन एंड मेंटेनेंस फार फलैक्सिबल एंड रिजिड पेंवमेट्स', सीएसआईआर–सीआरआरआई, नई दिल्ली	2–7 फरवरी, 2015
5	आरसीडी, बिहार के अभियंताओं के लिए 'डिजाइन कंस्ट्रक्शन एंड मेंटेनेंस फार फलैक्सिबल एंड रिजिड पेंवमेट्स एंड रोड सेफ्टी', पटना	9–12 फरवरी, 2015
6	आरईडी, यूपी के स्थल अभियंताओं के लिए 'क्वालिटी कंट्रोल एंड क्वालिटी एश्योरेंस फार रोड्स एंड ब्रिजेस', सीएसआईआर–सीआरआरआई, नई दिल्ली (दूसरा बैच)	16–21 फरवरी, 2015
7	आरईडी, यूपी के स्थल अभियंताओं के लिए 'गुड प्रैक्टिस इन हाइवे कंस्ट्रक्शन एंड अर्थक्वेक रेजिस्टैंट स्ट्रक्चरर्स / बिल्डिंग्स', सीएसआईआर–सीआरआरआई, नई दिल्ली	9–14 मार्च, 2015
8	एनआरआरडीए नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'प्रोजेक्ट प्रिपेशन, एसबीडी, क्वालिटी एश्योरेंस, आर एंड डी एंड न्यूर इनोवेटिव टैक्नोलॉजी एंड मेंटेनेंस आफ रूरल रोड्स इंक्लूडिंग एनवायरमेंटल एंड सोशल आस्पैक्ट्स फार फील्ड इंजीनियर्स इंवोल्वड इन पीएमजीएसवाई प्रोजेक्ट', सीएसआईआर–सीआरआरआई, नई दिल्ली	16–20 मार्च, 2015
9	इथोपियन रोड्स अथारिटी के इंजीनियरों के लिए क्वालिटी कंट्रोल, सुपरविजन आफ रोड वर्क्स एंड कांट्रैक्ट मैनेजमैंट	23–27 मार्च, 2015

समझौता ज्ञापन (एमओयू)

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर का दृश्य

विभिन्न एजेंसियों/विभागों/संस्थाओं के साथ निकट संपर्क व समन्वय स्थापित करने के लिए निम्नलिखित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए :

- सेंटर फार ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च, सिविल इंजीनियरी विभाग, एनआईटी, कालीकट 18 नवंबर 2014
- आइडीएसी – द ट्रेनिंग एंड असैस्मैंट इंस्टीट्यूट (पीसी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट लिमिटेड की एक इकाई), नई दिल्ली, 20 नवंबर 2014
- हाइवे रिसर्च स्टेशन, चेन्नई, 17 मार्च 2015

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

पैच फिल

- टार्चटार मैंब्रेन्स एंड बिटूमिन प्रोडक्ट्स प्रा. लि.
- एसएम इंजीनियरी प्रा. लि., गुवाहाटी
- लियोफैब प्रोजैक्ट्स प्रा. लि., ओडिशा

सेतु केयर

- गुजरात अपोलो इंडट्रीज लि.

दर्ज पेटेंट

- एस्फाल्ट कुट्टिम के पुनःचक्रण (रैप) में प्रयोग हेतु कायाकल्प कारक के निर्माण के लिए नवीन प्रक्रिया – डॉ पी के जैन एवं टी अनिल प्रद्युम्न, 18 मार्च 2015 (0061एनएफ2015)
- पैच फिल – पाटहोल रिपेयर मशीन – शिक्षा स्वरूपाकर, डॉ पी के जैन, डी सी शर्मा एवं नेहा सिंह

स्टाफ समाचार

सम्मान/पुरस्कार

- डॉ एस गंगोपाध्याय, निदेशक सीएसआईआर–सीआरआरआई को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टैक्नोलाजी (आइआइइएसटी) शिवपुर द्वारा गणमान्य एलुमिनस पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ पंकज गुप्ता, ए के सिन्हा, डॉ वसंत जी हवांगी एवं सुधीर माथुर को उनके 'आइजोल–लुंगलेई मार्ग (रा.म. 54), मिजोरम पर भूस्खलन के संभावित कारण तथा उपचारात्मक उपाय' पत्र के लिए भारतीय सड़क कांग्रेस द्वारा प्रशस्ति प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। यह शोधपत्र हाइवे रिसर्च जर्नल अंक 6 संख्या 2 में प्रकाशित हुआ। यह पुरस्कार 18–22, जनवरी 2015 के दौरान भुवनेश्वर में आयोजित आइआरसी के 75वें सत्र में प्रदान किया गया।
- श्री के सीतारामजानयेलु एवं डॉ पूर्णिमा परीदा को भुवनेश्वर में आयोजित आइआरसी के 75वें सत्र के परिषद सदस्य के रूप में नामांकित किया गया।
- डॉ पूर्णिमा परीदा को एसआरएम यूनिवर्सिटी, मोदीनगर परिसर में 09 अक्तूबर 2014 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर के टैक्नीकल फेस्ट – इनोवेट 14 के उद्घाटन हेतु विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

सेवानिवृत्ति/स्थानान्तरण

इस अवधि में निम्नलिखित स्टाफ सदस्य संस्थान की सेवा से सेवानिवृत्त हुए। सीआरआरआई वेलफेयर समिति ने इन्हें भावभीनी विदाई देने के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया।

1. श्री गुरदीप सिंह, ग्रेड 2(4)
31.10.2014

2. श्री बीर सिंह, ग्रेड 2(5)
30.11.2014

3. श्री सुरेंद्र सिंह, ग्रेड 2(5)
30.11.2014

4. श्री राम बदन,
कार्य सहायक
31.12.2014

5. श्री विजय मारवाह, सहायक
31.3.2015

6. श्री ए के गाबा,
निजी सहायक
31.3.2015

पदोन्नति एवं मूल्यांकन

अगले उच्चतम वेतनमान/ग्रेड में पदोन्नति पर निम्नलिखित स्टाफ सदस्यों को बधाई।

	पदोन्नति का पद
1. श्री अलिंद सक्सेना, ग्रेड 3(2) सेवानिवृत्त	ग्रेड 3(3)
2. श्री बसंत लाल, ग्रेड 2(4) सेवानिवृत्त	ग्रेड 2(5)
3. श्री आर सी परदेसी, ग्रेड 2(3) सेवानिवृत्त	ग्रेड 2(4)
4. स्व. श्री आर एन पासवान, ग्रेड 2(3) सेवानिवृत्त	ग्रेड 2(4)
5. श्री अनिल कुमार, प्रयोगशाला परिचर (2)	प्रयोग. परिचर (ग्रेड1)
6. श्री जगलाल महतो, प्रयोगशाला परिचर (2)	प्रयोग. परिचर (ग्रेड1)
7. श्री राजपाल सिंह गौतम, प्रयोगशाला परिचर (2)	प्रयोग. परिचर (ग्रेड1)
8. श्री एस सी साहा, वरि.तक.(1) (ग्रेड 2)	वरि. तक.(2)(ग्रेड 2)
9. श्री शिवनंदन प्रसाद, वरि.तक.(1) (ग्रेड 2) सेवानिवृत्त	वरि. तक.(2)(ग्रेड 2)
10. श्री ताराचंद, तक. सहायक (ग्रेड 3)	तक. अधि. (ग्रेड 3)
11. श्री कुमार शशिभूषण, तक. सहायक (ग्रेड 3)	तक. अधि. (ग्रेड 3)
12. श्री योगेंद्र कुमार सिंह, तक. अधि.(ग्रेड 3)	वरि.तक.अधि.(1)(ग्रेड 3)
13. श्री प्रदीप कुमार, तक. अधि. (ग्रेड 3)	वरि.तक.अधि.(1)(ग्रेड 3)
14. श्रीमती शान्ता कुमार, वरि. तक. अधि. (1) (ग्रेड 3)	वरि.तक.अधि.(2)(ग्रेड 3)
15. श्री नरेंद्र कुमार, वरि. तक. अधि. (1) (ग्रेड 3)	वरि.तक.अधि.(2)(ग्रेड 3)
16. श्री डी वी सिंह, वरि. तक. अधि. (1) (ग्रेड 3)	वरि.तक.अधि.(2)(ग्रेड 3)
17. श्री अशोक कुमार, वरि. तक. अधि. (1) (ग्रेड 3)	वरि.तक.अधि.(2)(ग्रेड 3)
18. श्रीमती अनीता अरोड़ा, वरि. तक. अधि. (3) सेवानिवृत्त	प्रधान तक.अधि.(ग्रेड 3)
19. श्री सुशील कुमार, वरि. तक. अधि. (3)	प्रधान तक.अधि.(ग्रेड 3)
20. श्री आर सी अग्रवाल, वरि. तक. अधि. (3)	प्रधान तक.अधि.(ग्रेड 3)
21. श्री पी आर एन नायर, वरि. तक. अधि. (2) सेवानिवृत्त	वरि. तक.अधि.(3)(ग्रेड 3)

शोक समाचार

अत्यंत दुख एवं खेद के साथ सूचित किया जाता है कि श्री भीम सिंह (ड्राइवर) का 20 मार्च 2015 को आकस्मिक निधन हो गया। श्री भीम सिंह की मृत्यु पर दुख प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान का राजभाषा विषयक निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान का दिनांक 31.12.2014 को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में लोकसभा व राज्यसभा के माननीय सदस्य सम्मिलित थे। समिति के उपाध्यक्ष डा. सत्यनारायण जटिया, संसद सदस्य (राज्यसभा) थे। निरीक्षण कार्यक्रम दिल्ली स्थित सीजीओ कॉम्प्लैक्स में रखा गया था जिसमें सीआरआरआई के अतिरिक्त चार अन्य कार्यालयों का भी निरीक्षण शामिल था। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान को चारों कार्यालयों के राजभाषा विषयक निरीक्षण के लिए समन्वयक का दायित्व सौंपा गया था। सीआरआरआई के निरीक्षण में सीएसआइआर मुख्यालय की ओर से उपस्थित अधिकारियों में डॉ. अनुपमा, आइएएस, संयुक्त सचिव तथा डॉ. पूरनपाल, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी (एसजी) सम्मिलित थे। संस्थान की ओर से डॉ. एस. गंगोपाध्याय, निदेशक, सीआरआरआई, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, श्री जितेन्द्र पाराशर, प्रशासन नियंत्रक, श्री एम.के. जैन, वित्त एवं लेखा नियंत्रक तथा वरिष्ठ हिंदी अनुवादक उपस्थित थे।

विधिवत् निरीक्षण से पूर्व समिति के सदस्यों ने संस्थान द्वारा प्रदर्शित की गई हिंदी कार्यान्वयन संबंधी सामग्री का अवलोकन किया जिनमें सड़क दर्पण पत्रिका, राजभाषा जागरण पत्रक, संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट, सीआरआरआई न्यूजलेटर, टेलीफोन निर्देशिका व राजभाषा के प्रचार–प्रसार हेतु संस्थान द्वारा मुद्रित बहुरंगी राजभाषा पोस्टर तथा अनुभागों/प्रभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग संबंधी कार्यों का अवलोकन प्रमुख है। समिति के सदस्यों ने संस्थान के हिंदी प्रकाशनों की सराहना की। निरीक्षण संबंधी बैठक में सर्वप्रथम समिति के माननीय उपाध्यक्ष ने सभी माननीय सदस्यों का परिचय कराया तथा निरीक्षण संबंधी ध्यान देने योग्य बातों से अवगत कराया। तत्पश्चात् निदेशक महोदय ने सभी माननीय सदस्यों का स्वागत किया तथा निरीक्षण बैठक में संस्थान की ओर से सम्मिलित सभी अधिकारियों का परिचय कराया। इसके पश्चात निदेशक महोदय ने संस्थान के राजभाषा संबंधी कार्यों का लेखा जोखा और संस्थान में किए जा रहे वैज्ञानिक अनुसंधान

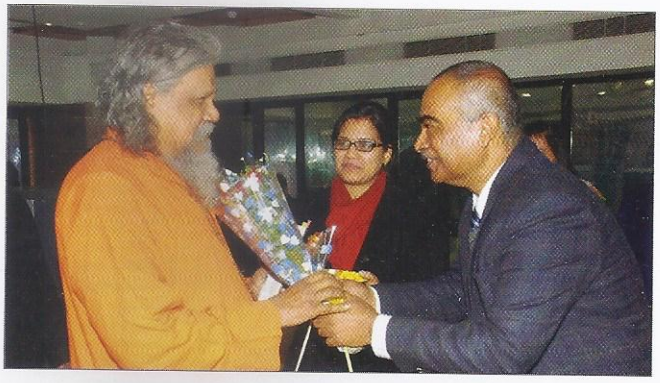

कार्यों की संक्षेप में जानकारी दी।

संसदीय राजभाषा समिति ने राजभाषा संबंधी निरीक्षण प्रश्नावली के आधार पर संस्थान में हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति पर प्रत्येक मद के अनुसार गहनता से विश्लेषण एवं विचार किया। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा हिंदी में प्रकाशित शोध–कार्यों की सराहना की किंतु दूसरी ओर अपेक्षित मात्रा में हिंदी में पत्राचार न होने को गंभीरता से लिया तथा इसे चिंता का विषय बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकारी कामकाज में सरल हिंदी का प्रयोग किया जाए और कार्मिकों में हिंदी में कार्य करने की मानसिकता तैयार करने के लिए उच्च अधिकारी अपना उदाहरण प्रस्तुत करें। हिंदी पत्रों को भेजने का प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी उन्होंने सुझाव दिया तथा कहा कि यदि किसी पत्र का उत्तर देना अपेक्षित नहीं है तो केवल पावती के रूप में पत्र भेज दिए जाएं। उन्होंने हिंदी की राजभाषा और राष्ट्रभाषा के साथ साथ संपर्क भाषा के रूप में इसके महत्व की ओर ध्यान आकर्षित किया और उद्बोधन किया कि हिंदी को राजभाषा के रूप में उसका स्थान दिलाने के लिए निदेशक महोदय के नेतृत्व में सभी को हमेशा प्रयत्नशील रहना होगा। निरीक्षण के अंत में समिति के उपाध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक का समापन हुआ जिसमें निदेशक, सीआरआरआई ने सभी माननीय सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

सीएसआईआर-सीआरआरआई प्रशिक्षण कार्यक्रम
वर्ष 2015-2016 के लिए

पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम अवधि	पाठ्यक्रम शुल्क + 14% सेवाकर	पाठ्यक्रम समन्वयक
क) कुट्टिम इंजीनियरिंग एवं सामग्री			
• डिजाइन, कन्स्ट्रक्शन एंड मेंटीनेन्स आफ फ्लेक्सीबल पेवमेंट्स	20-24 जुलाई, 2015	रु. 10,000/-	श्री एम.एन. नागभूषण
• रिजिड पेवमेंट्स : डिजाइन, कन्स्ट्रक्शन एंड क्वालिटी कंट्रोल आस्पेक्ट्स	05-09 अक्टूबर, 2015	रु. 10,000/-	श्री बिनोद कुमार
• पेवमेंट इवैल्यूएशन टेकनीक्स एंड देयर एप्लीकेशन फॉर मेनटेनैंस एंड रिहैबिलिटेशन	14-18 दिसंबर, 2015	रु. 10,000/-	श्री प्रदीप कुमार
ख) सड़क विकास योजना एवं प्रबंधन			
• इंटरनेशनल कोर्स ऑन डिस्सेमिनेशन ऑफ एचडीएम–4	07-18 सितंबर, 2015	रु. 30,000/-	डॉ. देवेश तिवारी
• जियो–स्पेशियल टैक्नोलॉजी (जीआईएस, जीपीएस, आरएस आदि) फॉर रोड एंड ट्रांसपोर्टेशन	18-21 जनवरी, 2016	रु. 12,000/-	डॉ. ए.एम. राव / डॉ. बी. कनक दुरई
ग) भूतकनीकी अभियांत्रिकी			
• जियोटैक्निक्ल एंड लैण्ड्स्लाइड इन्वेस्टिगेशन फॉर हाइवे प्रोजेक्ट्स	17-21 अगस्त, 2015	रु. 10,000/-	श्री कंवर सिंह
घ) सेतु एवं संरचनाएं			
• ब्रिज डायग्नोस्टिक्स, परफॉर्मेंस इवैल्यूएशन एंड रिहैबिलिटेशन	15-19 जून, 2015	रु. 10,000/-	डॉ. राजीव गर्ग
• ब्रिज डिजाईन एंड कंस्ट्रक्शन	16-20 नवंबर, 2015	रु. 10,000/-	डॉ. लक्ष्मी पी.
ङ) यातायात एवं परिवहन योजना			
• इकोनोमिक्स् एंड फाइनेंशियल एनालिसिस ऑफ हाइवे एंड टांसपोर्टेशन प्रोजेक्ट्स	06-10 जुलाई, 2015	रु. 10,000/-	डॉ. के. रविंद्र
• ट्रैफिक इंजीनियरिंग एंड रोड सेफ्टी आडिट	03-07 अगस्त, 2015	रु. 12,000/-	डॉ. एस. वेलुमुर्गन
• एनवायरनमेंटल इंपेक्ट एसेसमेंट एंड एनवायरनमेंटल क्लियरेंस प्रोसैस फॉर रोड एंड हाइवे प्रोजेक्ट्स	30 नवंबर - 04 दिसंबर, 2015	रु. 12,000/-	डॉ. नीरज शर्मा

पाठ्यक्रम शुल्क 'निदेशक, केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान', नई दिल्ली के नाम रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के द्वारा अग्रिम में भुगतेय है।

तदनुकूल निर्मित कार्यक्रम :

उपर्युक्त के अतिरिक्त, उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप, सीआरआरआई तदनुकूल निर्मित कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है।

अधिक जानकारी एवं नामांकन के लिए संपर्क सूत्र :

श्री टी.के. आमला,
पाठ्यक्रम संयोजक व प्रमुख,
सूचना संपर्क एवं प्रशिक्षण,
सीएसआईआर–केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान,
पीओ सीआरआरआई, नई दिल्ली 110025

फोन : 91-11-26921939,
फैक्स : 91-11-26845943, 26830480
टेलीफैक्स : 91-11-26921939
ई–मेल : tkamla.crri@nic.in,
headilt.crri@gmail.com, mkmeena.crri@nic.in
वेबसाइट : crridom.gov.in

सम्पादक मंडल

संरक्षक : डा. एस. गंगोपाध्याय, निदेशक

सम्पादक :

श्री टी. के. आमला, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, सूचना, सम्पर्क एवं प्रशिक्षण, श्री बी. एम. शर्मा, मुख्य वैज्ञानिक, सलाहकार
श्रीमती अनिता अरोड़ा, पूर्व तकनीकी अधिकारी, श्री मुकेश कुमार मीणा, वैज्ञानिक

हिन्दी अनुवाद : श्री संजय चौधरी, वरि. हिन्दी अनुवादक; हिन्दी टाइप लेखन : श्रीमती संतोष खुट्टन, वरि. आशुलिपिक

फोटोग्राफी : श्री अशोक कुमार

Pushpak Press Pvt. Ltd., New Delhi.
(Ph.: 40523991 - 96)